मीडिया प्रभाग द्वारा ज्ञानसरोवर माउंट आबू में आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्गाटन

प्रेस रिलीज़ -१

माउंट
आबू 13 जून : ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रभाग द्वारा ज्ञानसरोवर आबू पर्वत में आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधन करते हुए माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालयमें पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि पिछले दशक में भौतिक परिवर्तनों के कारण सुख साधन तो ब ढे लेकिन मनुष्य की संतुष्टिता में कमी आई है। इनपरिस्थितियों में पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम के आदर्श प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। ेेजिन्होंने मानवता की गरिमा को शिखर तक ले जाने का प्रयास कि या था। यह उनके आध्यात्मिकता सेजुडे होने के कारण ही संभव हुआ।

प्रो. दीक्षित ने कहा कि अतीत में विकारों व बुराईयों को समाप्त करने की जितनी कोशिश की गई उतना ही उनका अधिक प्रसार हुआ। हमें यह मानना होगा कि आध्यात्मिकताअंतर्मन को शुभ कार्यों के लिये प्रेरित करती है। गुरूकुल शिक्षा प्रणाली अपनाते हुए मनुष्य के हृदय में ऐसी भावना जाग्रत करने की आवश्यकता है, जिससे समाज परिवर्तन के लक्ष्य से सभीवर्ग जुड जायें। यह तभी संभव होगा जब मीडिया मनुष्यता व मानवता के लिये अपने सकारात्मक प्रयासों को और अधिक गति प्रदान करेगा। ह में नई आकांक्षाओं एवम संकल्पों के साथ आगेबढना होगा।

मधुरवाणी गुरप द्वारा स्वागत गान एवम चंडीगढ की कुमारी सिमोनी द्वारा स्वागत नृत्य से प्रारंभ किये गये उदघाटन सत्र में मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष करूणा भाई ने कहा किमीडिया ने स्वर्णिम भारत की सरंचना में बहुमूल्य योगदान दिया है। यदि हम देश को पहले और धर्म को बाद में रखेंगे और अपना मनोबल मजबूत करते हुए जनहित को सर्वोपरि मानेंगे तोपूरा विश्व एक परिवार बने, इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी रहेगी। आध्यात्मिक शक्ति हमें संकट से उभारने का माध्यम बनती है। भार त को विश्व गुरू का दर्जा दिलाने के अभियान मेंहम सनातन संस्कृति को फिर से प्रतिष्ठित करने का प्र यास करें।

दीप जलाकर किये गये विधिवत उदघाटन के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय में दूर संचार विभा ग के पूर्व विभागाध्यक्ष संजीव भानावत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था ने समाज केउत्थान में जो की र्तिमान स्थापित किये हैं उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि सकारात्मक चिंतन से विश्व परिवर्तन का ल क्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति इस बात कोस्वीकार कर चुके हैं कि जो कार्य सर कार नहीं कर सकती वह इस संस्था ने कर दिखाये हैं। हमें इस बात का गर्व है कि अब भी अनेक पत्रकार सकारात्मक चिंतन के सहारे समाजिक सरोकारोंके प्रति वचनबद्धता पर कायम हैं। लोकतंत्र के ढांचे में प्र दूषण व शोषण के विरूद्ध लेखनी अब भी नहीं झुकती। हमारा कर्तव्य है कि विचारवान व सूझवान नाग रिक तैयार करें।

शिव अनादि कला साधना केन्द्र इंदौर के कलाकारों द्वारा शुभ दिन आयो रे गीत पर प्रस्तुत शान दार सामूहिक नृत्य से सजे इस कार्यक्रम में देहरादून से आये पत्रकार शैलेन्द्र सक्सेनाऔर दिल्ली से आ ये दिनेश तिवारी ने कहा कि हमें स्वयं को पहचानना होगा। यदि हम चिंतन व मंथन करेंगे तो निस्संदेह समाजिक रूपांतरण में आध्यात्मिकता के बल पर सफल होंगे।कार्यक्रम को मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष आत्मप्रकाश भाई व ज्ञान सरोवर निदेशिका डा. निर्मला ने भी संबोधन किया।

कैप्शन: मीडिया सम्मेलन का दीप जलाकर उदघाटन करते गणमान्य, नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार

प्रेस रिलीज़ -२

आध्यात्मिकता की समानुपाती है श्रेष्ठ आचरण : राजयोगिनी निर्मला दीदी जी।

आबू पर्वत (**ज्ञान सरोवर**), १३ जून २०१९।

आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी सं स्था,

" मीडिया प्रभाग " के संयुक्त तत्वावधान में एक अखिल भारतीयमीडिया सम्मेलन का आ योजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था ' मीडिया ,अध्यात्म और रूपांतरण '. इस सम्मेलन में देश के सैकड़ों मीडिया प्रभारियों औरकर्मियों ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन के द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

ज्ञान सरोवर अकादमी की निदेशक **राजयोगिनी निर्मला दीदी जी** ने सम्मेलन का अध्यक्षी य उद्बोधन प्रस्तुत किया। दीदी जी ने कहा कि विज्ञान ने सुख के अनेकसाधन दिए हैं। च मत्कार जैसा कर दिया है। फिर भी लोग सुख शांति के लिए भटक रहे हैं।

कौन लाएगा सुख और शांति जीवन में? मीडिया के लोग सभी को प्रभावित कर सकते हैं। मीडिया से लोग काफी नकारात्मक बातें तो सीखते हैं। उसी प्रकारसकारात्मकता भी मीडि या के माध्यम से सिखाई जा सकती है। आध्यात्मिकता हमें मूल्यवान बनाती है। जीवन में नैतिकता लाती है। जितना आध्यात्मिक ज्ञानहोगा -

आचरण श्रेष्ठ होगा। श्रेष्ठ आचरण से सामाजिक रूपांतरण संभव हो जायेगा।

मीडिया प्रभाग के **अध्यक्ष राजयोगी करुणा जी** ने अपना अध्यक्षीय सम्भाषण प्रस्तुत कि या। आपने कहा कि पधारे हुए सभी मीडिया कर्मियों के स्वागत के लिए खुदपरमात्मा ही प्र स्तुत हो गए हैं। मौसम की पहली बारिश ने आपका स्वागत किया है। माहौल खुशनुमा हो गया है।

हम सभी सबसे पहले देश के लिए हैं। पहले देश है , बाद में कुछ भी है। हमारी संस्था एक लक्ष्य को लेकर चल रही है। हम 'विश्व एक परिवार' की अवधारणा पर चलतेआ रहे हैं। एक

ईश्वर की शिक्षा के आधार पर हम सभी को , मीडिया कर्मियों को , इस विश्व को बेहतर विश्व बनाना है।

आज के हमारे मुख्य वक्ता ,राजी ख़ुशी पत्रिका के सम्पादक **प्रोफ कमल दीक्षित** ने कहा कि अध्यात्म मनुष्य को भीतर से परिवर्तित करती है। अध्यात्म की इससेबड़ी भूमिका औ र कुछ भी नहीं है। भीतर से परिवर्तन होना बड़ी बात है। वैसी किसी भी सत्ता को दुनिया की बड़ी से बड़ी हस्ती भी सम्मान देती है। आपने एक -

दोउदाहरण दिया और अपनी बात को स्पष्ट किया।

आपने कहा कि हम सभी को इन दो तीन दिनों में अपने भीतर झाँक कर देखना चाहिए औ र वहाँ की सफाई के लिए कटिबद्ध होना चाहिए। हम सभी को यह बातअच्छी तरह समझ ना होगा की भलाई की भावना भी संक्रामक होती है। मीडिया कर्मियों को अपने भीतर परि वर्तन लाकर एक वैसे संसार की स्थापना करनी चाहिए।

राजस्थान विश्वविद्यालय जन संचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष **प्रोफ संजीव भाणावत** ने विशि ष्ठ अतिथि के रूप में आज अपनी बातें रखीं। आपने कहा कि विश्व रूपांतरणके लिए सबसे पहले स्व रुपान्तरण की जरूरत होती है। मीडिया की भूमिका है की समाज के हर वर्ग के अवमूल्यन को उसे रोकना है। और उसके लिए कहीं न कहींआध्यात्म को अपनाना , उस की गहराई को समझना और खुद के भीतर बदलाव लाकर समाज को बदलना उसका लक्ष्य होना चाहिए। यह हम सभी की जिम्मेवारीहै। आपने अच्छे लोगों के एक संगठन के निर्मा ण की अनिवार्यता पर जोर दिया।

दैनिक भास्कर ,देहरादून के सलाहकार **सम्पादक शैलेन्द्र सक्सेना** जी ने भी विशिष्ठ अति थि के रूप से अपनी बातें समेलन के समक्ष रखीं। आपने कहा कि संसार मेंअनेक चक्र अन वरत जारी हैं। हम सभी उस चक्र में कहीं न कहीं एक यन्त्र की तरह शामिल हैं। मगर क्या हम कभी विचार करते हैं की हमारा अपना वजूद क्या है ?दरअसल खुद को जानना और प हचानना ही आध्यात्म है। आपने बताया कि आध्यात्मिक होकर ,खुद को रूपांतरित करके , समाज को रूपांतरित कर सकेंगे।

आपने आगे कहा कि विगत ४० वर्षों में वे भारत के सभी योग संस्थानों में गए और वहाँ भ रपूर समय बिताया। आज से ३ वर्ष पूर्व उनका सम्पर्क ब्रह्माकुमारीज़ सेहुआ। आपको दा दी जानकी जी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। यहां आपने एक अद्भुत अलौकिकत और सका रात्मकता को गहराई से महसूस किया। यही महसूसताआतंरिक रूपांतरण का कारण बनी है। अतः सभी मीडिया कर्मियों को इस सुनहरे अवसर का लाभ लेना चाहिए और एक आतं

रिक रुपान्तरण करके यहां से जानाचाहिए तथा समाज में सकारात्मक रूपांतरण कायम करना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा **राजयोगिनी शीलू बहन** ने राजयोग पर प्रकाश डाला और उसका अभ्यास भी करवाया। गहन शांति की अनुभूति करवाई।

दैनिक हिंदुस्तान के सहायक सम्पादक **भाई दिनेश तिवारी** जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कहा कि मीडिया को चेतना देने वाला विषय लिया गया है सम्मेलनमें। जब तक हम अपने आपको परिमार्जित , परिष्कृत नहीं करेंगे तब तक कुछ नहीं होने वाला है। सामजिक विसंगतियां क्यों हो रही हैं ? सबके मूल में है मन कीअशांति। मन की कालिमा। मन की पीड़ा।

जब मन को सुधार लेंगे तो सामाजिक रुपान्तरण होगा। यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ में शिव बाबा ने मन के बारे में बताया है। उसको समझ कर राजयोगी बनकर मन कोसुधार सकेंगे।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष **राजयोगी आत्म प्रकाश** जी ने भी अपनी बातें बतायीं। सामाजिक रूपांतरण में मीडिया की महती भूमिका है। समाज में अनेक समस्यायेंहैं। उन समस्याओं को समाप्त करने में मीडिया अपनी शक्ति का प्रयोग करके निजात दिला सकता है ।

अपने बताया कि जो जैसा करेगा , वह वैसा पायेगा। कर्म को सुधारने की जरूरत है। कर्म सुधरते हैं जब हम अपनी पहचान एक ऊर्जा के रूप में करते हैं। फिर ईश्वरीयसम्पर्क से पवित्रता आती रहती है।

मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **बी के शांतनु** भाई ने धन्यवाद प्रदान किया। **ब्रह्मा कुमारी चन्द्रकला** , मीडिया प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका , ने मंच कासंचालन किया। रपट **बी के गिरीश** ,मीडिया ,ज्ञान सरोवर।

--

Madhuban Rosary Mail Service
Brahma Kumaris HQ, Mount Abu
Cell:+91 9414156615 / 9928756615
Email: madhubanrosary@bkivv.org